भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 1 NOVEMBER 2025

एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट ने की सफल लैंडिंग, लाइसेंस का रास्ता साफ

किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होता है टेस्ट

यमुना सिटी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब दर्ज हुआ जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान एयरपोर्ट के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है। पहले दिन रनवे 10 (पूर्वी छोर) से परीक्षण किया गया। अगले सप्ताह (पश्चिमी छोर) से भी टेस्ट होना है। नेविगेशनल उपकरणों की जांच पूरी होने के बाद माना जा रहा है कि 7 नवंबर तक डीजीसीए एयरोड्रम का लाइसेंस प्रदान कर देगा।

अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह 11:20 बजे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के विशेष विमान ने रनवे-10 (पूर्वी छोर) पर लैंडिंग की। इस दौरान एयरपोर्ट के रनवे 10 के लोकलाइजर और ग्लाइड पथ प्रणालियों को जांचा गया। लैंडिंग के दौरान प्रेसिजन अप्रोच पाथ इंडिकेटर (पीएपीआई-पापी) का परीक्षण सफल रहा। इसके अलावा एयरपोर्ट पर दोनों वीएचएफ-ओमिनी डायरेक्शनल रेंज (वीओआर या एक तरह का गाइड पथ) की भी जांच सफल रही। ब्यूरो

नोएडा एयरपोर्ट पर टेस्ट के दौरान रनवे पर उतरा विमान। स्रोत : प्राधिकरण

मौसम साफ रहा तो कैलिब्रेशन फ्लाइट टेस्ट का दूसरा चरण अगले सप्ताह होगा। इस दौरान रनवे-28 (पश्चिमी छोर) पर इसी तरह से नेविगेशन और ग्लाइड पथ प्रणालियों की जांच की जाएगी। दूसरी कैलिब्रेशन फ्लाइट टेस्ट में नेविगेशन उपकरणों का संचालन ठीक पाए जाने पर एयरपोर्ट के लाइसेंस के लिए व्यापक रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद लाइसेंस मिलने की संभावना है।

अगले सप्ताह रनवे-28 से टेस्ट

■ **क्या है कैलिब्रेशन फ्लाइट :** कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम, रडार और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। टेस्ट के लिए विशेष रूप से उपकरणों से लैस विमान का उपयोग किया जाता है। यह एक निर्धारित पैटर्न में लैंडिंग और टेक ऑफ करते हैं।

■ **परीक्षण की प्रक्रिया :** फ्लाइट के दौरान विशेष रूप से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं।

दिसंबर से शुरुआती चरण में दिन में ही उड़ान भरेंगे विमान

यमुना सिटी। नोएडा एयरपोर्ट दिसंबर से संचालन के लिए तैयार हो जाएगा। शुरुआती कुछ सप्ताह तक यहां से दिन के समय ही सीमित उड़ानें संचालित की जाएंगी। दिन ढलने के बाद कोई विमान नहीं मिलेगा। कुछ समय बाद रात में विमानों का संचालन शुरू होगा। इसके बाद चरणबद्ध रूप से रात्रि उड़ानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। एयरपोर्ट से प्रतिदिन 200 से ज्यादा विमान उड़ान भरेंगे। एयरपोर्ट पर पिछले शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण किया था। उन्होंने नवंबर के पहले सप्ताह तक सभी लंबित कार्य पूरे करने का अल्टीमेटम दिया था। एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद दिसंबर से सेवा शुरू हो सकती है।

इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया की उड़ानें : एयरपोर्ट से लांच कैरियर के रूप में इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर की उड़ानें शुरू होंगी। अन्य एयरलाइन की सुविधाएं भी जल्द यात्रियों को मिल सकेंगी। प्रबंधन का मानना है कि एयरपोर्ट शुरू होने के साथ ही अन्य एयरलाइन भी जुड़ सकती हैं। कुछ से बातचीत भी चल रही है। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 1 NOVEMBER 2025

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सफल कैलिब्रेशन ट्रायल से लाइसेंस की राह साफ

एयरपोर्ट के रनवे पर पूर्वाह्न 11:20 पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का विमान किया लैंड

- डीजीसीए की निगरानी में करीब दो घंटे तक विमान ने किया ट्रायल रन
- नवम्बर में मिल सकता है एरोड्रोम लाइसेंस, दिसम्बर से संभव है वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 31 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) अब संचालन की दहलीज पर है। शुक्रवार को डीजीसीए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) की देखरेख में दो घंटे तक हुई कैलिब्रेशन फ्लाइट का ट्रायल रन सफल रहा। इस सफलता के साथ एयरपोर्ट को एरोड्रोम लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। उम्मीद है कि 5 से 7 नवम्बर के बीच डीजीसीए लाइसेंस जारी करेगा, जिससे दिसम्बर तक कामर्शियल उड़ानें शुरू होने का रास्ता खुल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवम्बर के बाद देश के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण कर सकते हैं।

क्या होता है कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल?

किसी भी नए एयरपोर्ट को चालू करने से पहले कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल एक अनिवार्य तकनीकी प्रक्रिया होती है। इसमें एयरपोर्ट के एयर नेविगेशन, कम्युनिकेशन सिस्टम, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), रडार, लाइटिंग और सिग्नल्स की सटीकता का परीक्षण किया जाता है। इसे आप हवाई अड्डे की 'टेस्ट ड्राइव' कह सकते हैं, जहां एक विशेष विमान, आमतौर पर एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) का, रनवे और एप्रन पर विभिन्न कोणों से उड़ान भरकर यह जांचता है कि सभी सिस्टम्स ठीक तरह से काम कर रहे हैं या नहीं। अगर किसी उपकरण में कमी मिलती है तो उसे तुरंत ठीक किया जाता है, ताकि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। डीजीसीए के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानकों के अनुरूप होती है। बिना सफल कैलिब्रेशन के किसी एयरपोर्ट को लाइसेंस जारी नहीं किया जाता।

सफल टायल की झलक

ट्रायल के दौरान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का विशेष विमान 11:20 बजे लैंड किया और लगभग दो घंटे तक विभिन्न कोणों से टेकऑफ और लैंडिंग के जरिए सभी तकनीकी सिस्टम्स की जांच की। सभी मापदंड अपेक्षानुसार रहे और डेटा विश्लेषण के बाद रिपोर्ट डीजीसीए को सौंप दी गई है। इसके बाद डीजीसीए एयरोड्रम लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा।

भारत का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के तहत विकसित यह एयरपोर्ट 1334 हेक्टेयर (करीब 3,300 एकड़) में फैला है। पहले चरण में एयरपोर्ट 12 मिलियन यात्रियों की वार्षिक क्षमता के साथ शुरू होगा। रनवे की लंबाई 3900 मीटर है, पहले चरण की लागत 10,056 करोड़ है, टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टॉवर, रनवे और ग्राउंड हैंडलिंग सुविधाएं पूरी हो चुकी हैं। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ आर.के. सिंह के अनुसार, कैलिब्रेशन ट्रायल की सफलता एयरपोर्ट को समय पर शुरू करने की दिशा में एक निर्णायक उपलब्धि है। अब लाइसेंस मिलने के बाद ट्रायल ऑपरेशंस शुरू किए जाएंगे।

दिसम्बर से उड़ानें, 2030 तक 70 मिलियन यात्रियों की क्षमता

सफल ट्रायल के बाद 15 नवम्बर के बाद एयरपोर्ट का लोकार्पण हो सकता है, दिसम्बर के शुरूआत में एयरपोर्ट से ट्रायल ऑपरेशंस शुरू होने की संभावना है, जबकि दिसम्बर 2025 के अंत से वाणिज्यिक उड़ानें संभव मानी जा रही हैं। एयरपोर्ट का विस्तार कर इसे 70 मिलियन यात्रियों प्रति वर्ष संभालने योग्य बनाया जाएगा। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर का चौथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे दिल्ली एयरपोर्ट पर ट्रैफिक का बोझ कम होगा।

दिसम्बर में घरेलू व कार्गो विमान भरेंगे उड़ान

नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण होने के बाद दिसम्बर से कामर्शियल विमान उड़ान भरना शुरू कर देंगे। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईटो क्रिस्टोफ श्नेलमैन के अनुसार पहले कुछ हफ्ते केवल दिन के समय उड़ानें शुरू होंगी। धीरे-धीरे विस्तार कर रात की फ्लाइट्स जोड़ी जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 2026 की पहली छमाही में शुरू होंगी। लॉन्च पार्टनर्स के तौर पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर को शामिल किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE DAILY GUARDIAN DELHI 31 OCTOBER 2025

CISF inducted at Navi Mumbai International Airport

ABHINANDAN MISHRA
NEW DELHI

The Central Industrial Security Force (CISF) has been formally inducted at the Navi Mumbai International Airport (NMIA), marking a major step in the airport's operational preparedness. The induction will be carried out in phases, beginning with the deployment of 900 personnel.

With the inclusion of NMIA, the CISF is now providing aviation security cover to 71 airports across the country under its Aviation Security Group.

The formal induction ceremony at NMIA was attended by CISF Director General Praveer Ranjan as chief guest and Additional Director General (Airport Sector) Binita Thakur.

During the event, Capt. B.V.J.K. Sharma, CEO of NMIA, handed over the symbolic keys of the airport to Sunit Sharma, Senior Commandant and Chief Aerodrome Security Officer.

Addressing the gathering, CISF Director General Praveer Ranjan said the force was committed to ensuring the highest standards of aviation security in alignment with global benchmarks.

"Our personnel are trained, equipped, and prepared to deliver a secure, efficient, and passenger-friendly environment from day one," he said.

Capt. Sharma said the induction of CISF marked a significant milestone in NMIA's readiness to welcome passengers and reflected the airport's commitment to maintaining high standards of safety and security while ensuring a world-class travel experience.

The CISF will provide comprehensive security coverage for the entire airport, including access control, pre-embarkation checks, perimeter and airside protection, and cargo screening. Specialised units such as Quick Reaction Teams, Bomb Detection and Disposal Squads, and K9 units will also be deployed.

The initial deployment of 900 personnel is against a sanctioned strength of 1,840, which will be increased as passenger and cargo operations expand. Security operations will follow the latest guidelines of the Bureau of Civil Aviation Security.

CISF personnel underwent pre-induction training and familiarisation with NMIA's facilities, including Operational Readiness and Airport Transfer procedures involving system testing, baggage screening, access control, and contingency drills.

The Navi Mumbai International Airport Limited (NMIAL) is a public-private partnership between Mumbai International Airport Limited (MIAL), a subsidiary of Adani Airports Holdings Limited, which holds a 74 per cent stake, and the City and Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO), which holds 26 per cent.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 1 NOVEMBER 2025

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे 10 पर कैलिब्रेशन टेस्ट फ्लाइट सफल

जागरण संवाददाता जेवर : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे 10 (पश्चिमी छोर) पर शुक्रवार को कैलिब्रेशन टेस्ट फ्लाइट की लैंडिंग हुई। सुबह 11.20 बजे भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के एयरक्राफ्ट ने एयरपोर्ट के रनवे पर लैंडिंग की। रनवे 10 के लोकलाइजर और ग्लाइड पाथ सिस्टम का कैलिब्रेशन सफल रहा। प्रिसिजन एप्रोच पाथ इंडिकेटर लाइट्स का भी कैलिब्रेशन किया गया। एयरपोर्ट के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम्स ने पूरी तरह ठीक कार्य किया। एयरक्राफ्ट ने शाम करीब चार बजे तक तीन बार लैंडिंग और टेकआफ किया। डीजीसीए ने सात नवंबर तक एयरोड्रम लाइसेंस जारी होने की संभावना जताई थी, लेकिन रनवे 28 के परीक्षण के बाद नवंबर में ही इसे जारी किया जा सकता है। कैलिब्रेशन फ्लाइट टेस्ट की रिपोर्ट डीजीसीए को भेजी जाएगी।

एयरोड्रम लाइसेंस जारी करने के लिए महानिदेशालय नागर विमानन डीजीसीए ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नेविगेशन व कम्यूनिकेशन इंस्ट्रूमेंट के कैलिब्रेशन के लिए दो दिन निर्धारित किए थे, लेकिन पहले दिन मौसम खराब होने के कारण कैलिब्रेशन टेस्ट फ्लाइट को रद करना पड़ा। शुक्रवार को दृश्यता ठीक होने पर दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट से भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी और 11.20 बजे नोएडा एयरपोर्ट के रनवे 10 पर सफल लैंडिंग की। नेविगेशन व प्रिसिजन एप्रोच पाथ इंडिकेटर लाइट्स का सफल कैलिब्रेशन हुआ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि कैलिब्रेशन फ्लाइट एयरोड्रम लाइसेंस जारी करने से पहले जरूरी परीक्षण होता है। इसमें एयरपोर्ट और विमानन उपकरणों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण होता है। शुक्रवार को नोएडा एयरपोर्ट पर पहुंचे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एयरक्राफ्ट से एयर नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम्स इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आइएलएस) और रडार की जांच की गई। यह पूरी तरह सफल रही।

अगले सप्ताह फिर होगी कैलिब्रेशन टेस्ट फ्लाइट

नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान पूर्वी व पश्चिमी छोर दोनों ओर से लैंडिंग व टेक आफ कर सकेंगे। इसके लिए दोनों छोर पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम आइएलएस लगे हैं। रनवे 10 के आइएलएस की शुक्रवार को जांच पूरी हो गई। रनवे 28 के कैलिब्रेशन के लिए अगले सप्ताह टेस्ट फ्लाइट होगी। हालांकि यह मौसम पर निर्भर करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 31 OCTOBER 2025

Maha approves 175 posts under traffic dept for new airport

2 posts will be filled through external manpower agency; appointments to help enhance traffic management

Raina Assainar
NAVI MUMBAI

In an administrative move to strengthen security and streamline traffic management at the upcoming Navi Mumbai International Airport, the state has sanctioned 175 permanent posts under the traffic department at the proposed airport police station. Additionally, two posts will be filled through an external manpower agency, making a total of 177 posts, the resolution said.

The home department issued a government resolution on Wednesday, formalising the decision after approval from a high-level committee of secretaries chaired by the chief secretary. The move will entail an annual recurring expenditure of Rs6.22 crore and a non-recurring expenditure of Rs1.32 crore to be covered under the sanctioned budget of the respective financial year.

The newly created posts include three police inspectors, four assistant police inspectors, eight police sub-inspectors, six assistant sub-inspectors, 40 head constables, and 114 police constables. In addition, two sanitation worker posts will be filled through an external agency.

3 Police inspectors
4 Assistant police inspectors
8 Police sub inspectors
6 Assistant sub inspectors
40 Head constables
114 Constables

"The new appointments will enhance the police force's capability to manage traffic, maintain order, and ensure robust security around the airport premises, thereby improving overall operational efficiency once the airport becomes functional," deputy commissioner of police (traffic) Tirupati Kakade, said.

After approval of 108 staff for the airport police station and now with 177 posts for traffic, the Navi Mumbai police are all set to expand their jurisdiction once the airport becomes operational.

The upcoming airport will house four passenger terminals, two runways, a cargo hub, a truck terminal, airline offices, banks, hotels, shopping complexes, and key government facilities such as defence and meteorological units.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 31 OCTOBER 2025

At city airport, 2 silvery gibbons rescued, ₹8cr hydroponic weed seized

Somendra Sharma
MUMBAI

The Mumbai Airport Customs officials, in two separate cases, recovered two silvery gibbons and seized drugs worth Rs8 crore from passengers arriving from Bangkok on Wednesday.

Based on specific intelligence, Customs officers at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) intercepted a passenger from Bangkok and found two silvery gibbons, one alive and one dead, concealed in a basket inside a trolley bag. The passenger was arrested under the Customs Act and the Wildlife Protection Act.

"The silvery gibbon, a small ape with striking bluish-grey fur, is endemic to the Indonesian island of Java and classified as Endangered (EN) on the IUCN Red List. With fewer than 2,500 left in the wild, the species faces severe threats from illegal pet trade, hunting, and habitat loss," said a Customs official.

The official added that the smuggling of such exotic species is often carried out by organised syndicates in extremely inhumane conditions. "In this case, two baby gibbons, aged two and four months, were kept tightly packed in a basket. The younger one could not survive the air travel. Even when exotic animals reach buyers, their survival outside native habitats is extremely low," the official said. In another operation, Customs officers intercepted a Bangkok passenger and recovered 7.97kg of suspected hydroponic weed (marijuana) worth Rs8 crore, concealed in a trolley bag. The passenger was arrested under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (NDPS) Act.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 1 NOVEMBER 2025

एएआई के विमान ने आईजीआई से भरी थी उड़ान, डीजीसीए एकत्रित डाटा का अध्ययन करने के बाद एयरोड्रम लाइसेंस जारी करेगा

एयरपोर्ट पर विमान उतारने का ट्रायल फिर सफल

नोएडा एयरपोर्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर शुक्रवार को विमान उतारकर ट्रायल किया गया। यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। • हिन्दुस्तान

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को कैलिब्रेशन फ्लाइट टेस्टिंग (ट्रायल) सफल रहा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के छोटे विमान वीटी-एफआईएस ने हवाई क्षेत्र के साथ ही रनवे पर लैंडिंग और टेकऑफ कर आवश्यक सुरक्षा एवं नेविगेशन उपकरणों की जांच की।

यह परीक्षण सुबह से लेकर देर शाम तक चला। विमान ने कई बार टेकऑफ और लैंडिंग कर सभी तकनीकी प्रणालियों की सटीकता की पुष्टि की। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि ट्रायल के लिए गुरुवार और शुक्रवार दो दिन की अनुमति मिली थी, लेकिन गुरुवार को मौसम खराब होने के चलते विमान उड़ान नहीं भर सका। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निर्देश पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के विमान ने शुक्रवार की सुबह करीब 10:30 के आसपास दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) से नोएडा एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी। करीब 20 से 25 मिनट तक हवाई क्षेत्र में घूमकर उपकरणों की जांच कर विमान ने 11:20 बजे रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग की।

कैलिब्रेशन फ्लाइट टेस्टिंग एयरपोर्ट और विमानन उपकरणों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य उड़ान के समय हवाई क्षेत्र में नेविगेशन सहायता और संचार प्रणाली जैसे इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) और रडार की जांच करना है। किसी भी नए एयरपोर्ट पर व्यावसायिक उड़ान शुरू करने से पहले एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त करने के लिए यह ट्रायल आवश्यक होता है।

अगले सप्ताह फिर विमान उतारा जाएगा: नोएडा एयरपोर्ट पर अगले सप्ताह मौसम की स्थिति को देखते दोबारा से विमान उतारा जाएगा। शुक्रवार को एयरपोर्ट पर सिर्फ रनवे-10 के लोकलाइजर और ग्लाइडपाथ सिस्टम का कैलिब्रेशन टेस्टिंग की गई। साथ ही, रनवे 10 के पीएपीआई लाइट्स (प्रिसिजन अप्रोच पाथ इंडिकेटर लाइट्स) का भी परीक्षण किया गया। एयरपोर्ट पर दोनों वीओआर (वीएचएफ ओम्नी-डायरेक्शनल रेंज) चेक प्वाइंट भी स्थापित कर दिए गए हैं। अब अगले सप्ताह मौसम की स्थिति को देखते हुए रनवे 28 का कैलिब्रेशन टेस्टिंग किया जाएगा। इसके पूरा होने के बाद रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को लाइसेंस प्रक्रिया के तहत सौंपी जाएगी।

बताया गया कि 3900 मीटर लंबे रनवे के दो छोर हैं, 10 और 28। इनके दोनों तरफ ही उपकरण लगे होते हैं। शुक्रवार को सिर्फ रनवे 10 के छोर से उपकरणों की टेस्टिंग हुई। अगले सप्ताह 28 के छोर से जांच होगी।

कैलिब्रेशन फ्लाइट के प्रमुख पहलू

संचार प्रणाली

1. वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी): उच्च आवृत्ति वाला रेडियो संचार प्रणाली, जिसके माध्यम से विमान और हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) के बीच संपर्क होता है।
2. डीवीआर (डिजिटल वॉयस रिकार्डर): सभी रेडियो और टेलीफोन वार्तालापों को डिजिटल रूप में रिकॉर्ड करने की प्रणाली।
3. डीएटीआईएस (डिजिटल ऑटोमैटिक टर्मिनल इन्फॉर्मेशन सर्विस): एयरपोर्ट की मौसम, रनवे और अन्य सूचना को स्वचालित रूप से प्रसारित करने वाली डिजिटल सेवा
4. वीसीसीएस (वॉयस कम्युनिकेशन कंट्रोल सिस्टम): हवाई यातायात नियंत्रकों के लिए विभिन्न संचार चैनलों को जोड़ने और नियंत्रित करने की प्रणाली
5. एएमएसएस (ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम): वायु यातायात संदेशों को स्वतः प्राप्त, संग्रहित करना और संबंधित स्टेशन तक भेजने की प्रणाली को एएमएसएस कहते हैं।

नेविगेशन सहायता प्रणाली

1. आईएलएस 28 और 10 (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम): रनवे पर विमान को सटीक मार्गदर्शन देने वाला रेडियो आधारित उतरने का सिस्टम।
2. डीवीओआर (डॉप्लर वेरी हाई फ्रीक्वेंसी ओम्नि-डायरेक्शनल रेंज): विमान को दिशा और स्थिति की सटीक जानकारी देने वाला नेविगेशन रेडियो स्टेशन।
3. एचपी-डीएमई (हाई-पावर डिस्टेंस मेजरिंग इक्विपमेंट): विमान और ग्राउंड स्टेशन के बीच दूरी मापने की उच्च शक्ति वाली प्रणाली।

निगरानी प्रणाली

1. एएसआर/एमएसएसआर (एयरपोर्ट सर्विलांस रडार / मोनोपल्स सेकेंडरी सर्विलांस रडार): हवाई अड्डे के आसपास उड़ रहे विमानों की स्थिति और पहचान की निगरानी करने वाला रडार सिस्टम।
2. एटीएम (एयर ट्रैफिक मूवमेंट ऑटोमेशन सिस्टम): हवाई यातायात की निगरानी, नियंत्रण और डेटा प्रबंधन को स्वचालित रूप से संचालित करने वाली प्रणाली को एयर ट्रैफिक मूवमेंट ऑटोमेशन सिस्टम कहते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 1 NOVEMBER 2025

Hindustan Times

NOIDA AIRPORT CARRIES OUT MANDATORY CALIBRATION TEST

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

NOIDA: The Noida International Aiport at Jewar successfully carried out a calibration flight on Friday, bringing it closer to a long-awaited opening to the public. The test, to ensure the accuracy and reliability of air navigation and communication systems, is a mandatory step towards obtaining an aerodrome licence.

On Friday, as part of the test, an Air India aircraft conducted a successful landing at Noida airport around 11:20 am, stayed for two hours, and then took off, officials said.

"The calibration flight is a mandatory test for airports and aviation equipment to ensure the accuracy and reliability of air navigation and communication systems, such as the Instrument Landing System (ILS) and radar," said RK Singh, chief executive officer of the Noida International Airport Ltd (NIAL).

The specially equipped aircraft fly specific patterns to test ground-based navigation aids, confirming that the systems meet international safety standards, set by organisations like the International Civil Aviation Organization (ICAO), before an airport is cleared for operations.

NIAL officials said that DGCA had wanted to carry out the calibration flight test for two days beginning Thursday.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 1 NOVEMBER 2025

नोएडा हवाई अड्डे पर उड़ान का सफल परीक्षण

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 31 अक्तूबर।

जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर शुक्रवार को कैलिब्रेशन उड़ान का सफल परीक्षण हुआ। परीक्षण करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान एक विमान को रनवे पर उतारा गया। बताया गया है कि कैलिब्रेशन उड़ान को किसी भी नए हवाई अड्डे की उड़ान सुरक्षा और नेविगेशन प्रणाली की जांच के लिए किया जाता है। कैलिब्रेशन उड़ान परीक्षण के बाद जल्द इसके उद्घाटन का रास्ता साफ हो गया है।

विमान पट्टी, नेविगेशन, संचार और लाइटिंग प्रणाली को परखा गया।

इस परीक्षण के दौरान विमान पट्टी, नेविगेशन उपकरण (आइएलएस, वीओआर, डीएमई) संचार प्रणाली और लाइटिंग प्रणाली की सटीकता की जांच की गई। कैलिब्रेशन उड़ान यह सुनिश्चित करती है कि विमान सुरक्षित रूप से उतारा (लैंड) और उड़ान (टेकआफ) कर सके। साथ ही सभी तकनीकी मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हों। यह प्रक्रिया नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की निगरानी में पूरी की गई। बताया गया है कि सफल परीक्षण की रपट आने पर ही डीजीसीए एयरोड्रम लाइसेंस देगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) की ओर से एअर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) में सभी जरूरी रडार लगाए जा चुके हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी सभी काम पूरे हो गए हैं। इसके लिए पिछले महीने नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) की मंजूरी भी मिल चुकी है।

सुरक्षा में सीआइएसएफ तैनात

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीआइएसएफ तैनात है। सीआइएसएफ की देखरेख में गत दिनों टर्मिनल परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। विमान के उतरने और उड़ान भरने से लेकर यात्रियों के प्रवेश से लेकर चेक-इन, सुरक्षा जांच, बोर्डिंग गेट और बैगेज हैंडलिंग तक पूरे सफर का परीक्षण किया गया। एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के साथ ही उड़ान को लेकर तारीख घोषित होगी। इससे पहले नोएडा हवाई अड्डे के रनवे पर दिसंबर 2024 में भी विमान उतर चुका है। तब इंडिगो एअरलाइंस के एअरबस-ए320 व्यवसायिक विमान वीटी आइएफआइ ने रनवे पर पहली लैंडिंग की थी। विमान ने 25 मिनट हवा में आइएलएस और अन्य उपकरणों की जांच की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 1 NOVEMBER 2025

NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT

Calibration flight lands successfully

DIPIKA KIROLA

NOIDA: The calibration flight by the Airport Authority of India (AAI) landed successfully on Runway 10 (Western Side) of Noida International Airport on Friday morning. Officials said that the calibration of the runway's localizer and glide path system was completed without any issues.

Additionally, the precision approach path indicator lights (PAPI) were also calibrated. Throughout the test, the airport's navigation and communication systems functioned perfectly, said officials.

According to a senior Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) official, the aircraft conducted three take-offs and landings between 11:20 AM and 4:00 PM. A similar calibration test flight will be conducted on Runway 28 (Eastern Side) next week.

"Calibration flight is a mandatory test for airports and aviation equipment to ensure the accuracy and reliability of air navigation and communication systems, such as the Instrument Landing System (ILS) and radar. Specially equipped aircraft fly specific patterns to test ground-based navigation aids, confirming they meet international safety standards before an airport is cleared for operations. These flights are critical for certifying that navigational systems are working correctly and can guide aircraft safely" said YEIDA CEO RK Singh.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) had initially expected to issue the aerodrome license by November 7, but this might be delayed until after the calibration of Runway 28. The results of the calibration flight will be sent to the DGCA, with a likelihood of domestic flights starting by December.

The DGCA had set aside two days for the calibration of navigation and communication systems at Noida International Airport. The test on the first day had to be postponed due to bad weather.

Improved visibility on Friday enabled an AAI aircraft to complete safety test flights at Jewar Airport. Domestic flights are set to start in December, with international operations by June.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 31 OCTOBER 2025

Adani Airports signs 'strategic deal' with AIONOS for agentic AI solutions

MPOST BUREAU

NEW DELHI: Adani Airport Holdings Limited (AAHL), a subsidiary of Adani Enterprises Limited, on Thursday announced a strategic deal with AIONOS, an Inter-Globe Enterprises company, to implement a multi-lingual omnichannel agentic AI solution to enhance the passenger help desk experience.

"The new solution would not just provide a consistent engagement experience across all channels across all Adani Airports, but also connect with passen-gers to offer personalised, multilingual support like never before," AAHL said in a statement.

Through this collaboration, AIONOS will bring its proprietary Agentic AI plat-form, IntelliMate™, delivering domain-led conversational AI and automation, enabling Adani Airports to engage with customers and employees across multiple touchpoints, including voice, chat, web, and mobile, in their preferred lan-guages, it added.

The AI-driven solution will act as a "24x7 intelligent concierge", helping travellers access flight updates, gate information, baggage status, direc-tions, and airport services instantly, in multiple languages and regional dialects.

Through this unified orchestration across channels, the platform will ensure "consistent, context-aware experiences, significantly improving passen-ger satisfaction and reducing service turnaround times", AAHL said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 1 NOVEMBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट: रनवे का टेस्ट अगले सप्ताह

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट संचालन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक उतरी और उड़ान भरी। इसके जरिये एयर नेविगेशन व कम्युनिकेशन सिस्टम्स, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और रडार की जांच की गई। यह भी देखा गया कि सभी उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे है। हवाई अड्डे शुक्रवार सुबह 11:20 बजे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की कैलिब्रेशन फ्लाइट उतरी। यह फ्लाइट आईजीआई दिल्ली से आई थी। कैलिब्रेशन फ्लाइट अनिवार्य जांच है जो एयरपोर्ट व विमानन उपकरणों की सटीकता व विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। अब अगले हफ्ते रनवे का टेस्ट किया जाएगा।

शुक्रवार को एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक उतरी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 1 NOVEMBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट ने की सफल लैंडिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब दर्ज हुआ जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान हवाई अड्डे के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है, जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है। कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम, रडार, और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान विशेष रूप से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर, और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं।

एआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलिब्रेशन विमान में अत्याधुनिक माप उपकरण लगे होते हैं। उड़ान से प्राप्त डेटा का बाद में विश्लेषण किया जाता है ताकि किसी भी तकनीकी विचलन को तुरंत ठीक किया जा सके और उपकरणों की सटीकता सुनिश्चित हो।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 1 NOVEMBER 2025

Test landing of calibration aircraft successful at Noida airport

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi

A significant milestone in the operationalisation of Noida International Airport was achieved on Friday, as a calibration flight by the Airports Authority of India (AAI) successfully landed at the airport, officials said.

This crucial test, conducted before any new airport becomes operational, verifies the accuracy of the airport's navigation and communication systems, according to a statement issued by the Uttar Pradesh Government.

"The successful completion of the calibration flight marks a major step forward for Jewar airport, bringing it closer to meeting international aviation safety standards and expediting the process of securing operational clearance," it read.

A calibration flight, according to officials, is a specialised test operation designed to ensure that the airport's Instrument Landing System (ILS), radar, and air navigation equipment function in accordance with international safety standards.

During the exercise, specially equipped aircraft fly at varying altitudes and angles to assess the strength, stability, and precision of signals transmitted by ground systems. The process involves flight inspectors, technical engineers, and air traffic control (ATC) specialists working in coordination, the statement said.

"AAI's calibration aircraft are fitted with advanced measurement instruments that capture real-time data during the flight. This data is meticulously analysed to identify and correct any technical deviations, ensuring the highest level of system accuracy," it said.

The first phase of the greenfield Noida International Airport is expected to be inaugurated soon. Its date, however, remains unannounced.

In the first phase, the airport will cover over 1,334 hectares of land with one runway, one terminal building, and a passenger capacity of 12 million annually, according to officials.

The project would eventually be completed in four different phases and ultimately have five runways and a passenger capacity of 300 million annually, they added.

The airport is being developed by Yamuna International Airport Private Limited, a fully owned subsidiary of Zurich Airport International AG, for the state government in a public-private partnership model.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani Airports to Redefine Passenger Journeys with AIONOS' Agentic AI

ASHOKE RAJ
New Delhi

In a major stride toward digital transformation in aviation, Adani Airport Holdings Limited (AAHL) — India's largest operator of Public-Private Partnership airports and a subsidiary of Adani Enterprises Limited — has announced a strategic partnership with AIONOS, an InterGlobe Enterprises company and global leader in enterprise AI solutions.

Under this collaboration, AIONOS will deploy its proprietary Agentic AI platform, IntelliMate™, to introduce a multilingual, omni-channel AI system across all Adani Airports. The initiative aims to deliver seamless, consistent, and personalised passenger support across touchpoints such as voice, chat, web, and mobile.

The new AI-driven system will act as a 24x7 intelligent concierge, offering passengers real-time assistance for flight updates, gate details, baggage tracking, airport navigation, and other services — all in multiple languages including English, Hindi, and key regional dialects. This marks a significant shift from traditional helpdesk operations to a context-aware, self-learning digital engagement model.

By leveraging IntelliMate™, Adani Airports will be able to enhance customer satisfaction, reduce service turnaround time, and promote inclusivity, while providing travellers with a more connected and enjoyable airport experience. Arun Bansal, Chief Executive Officer, AAHL, said, "At AAHL, our vision is to redefine the airport experience through intelligent, digital-first innovations that place passengers at the heart of everything we do — transforming travel anxiety into excitement.

Our collaboration with AIONOS marks a major step in creating seamless and personalised journeys across our airports. Together with in-house platforms such as aviio, Adani OneApp, and Airport-in-a-Box, we are building a connected ecosystem that enhances efficiency, fosters inclusivity, and sets new benchmarks for smart, sustainable, and future-ready airports in India."

"We are excited to embark on this transformative journey with AAHL. Our partnership reflects a shared vision to leverage advanced AI technologies for delivering exceptional customer experiences.

At AIONOS, we are committed to enabling enterprises to thrive in the digital age through innovative, scalable, and intelligent solutions." CP Gurnani, Co-founder and Vice Chairman, AIONOS, added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 31 OCTOBER 2025

Adani, AIONOS partner for AI-driven flyer support

STATESMAN NEWS SERVICE
Mumbai, 30 October

Adani Airport Holdings Ltd officially announced on Thursday that it has entered into a partnership with AIONOS to provide an artificial intelligence-driven personalised system to provide air passengers at airports with customised multilingual assistance.

"The AI-driven solution will act as a 24X7 intelligent concierge, helping travellers access flight updates, gate information, baggage status, directions and airport services instantly in multiple languages," the company officially announced through a press release. Air passengers will be able to enjoy these services in English, Hindi and other languages, while Adani Airports will be able to communicate with consumers and workers through voice, chat and mobile phones using AIONOS' agentic AI platform. Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) CEO Arun Bansal stated that the new AI system will improve the passenger experience.

"With its in-house services like Aviio, Adani One App and Airport-in-a-Box, AAHL has been creating a connected ecosystem which will improve efficiency and inclusivity," Bansal said. Presently, AAHL manages seven airports and will soon begin operations at the Navi Mumbai International Airport. Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) is a 100 per cent subsidiary of Adani Enterprises Ltd, the flagship company of the Adani Group.

AAHL is India's largest airport infrastructure company which operates, manages and develops eight airports, including Ahmedabad, Lucknow, Mangaluru, Jaipur, Guwahati, Thiruvananthapuram, besides also holding significant stakes in the Mumbai International Airport Ltd (73 per cent) and Navi Mumbai International Airport Ltd (74 per cent).

The recent addition to AAHL is its Navi Mumbai International Airport which is a public-private partnership between AAHL and the City and Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO).

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN KOLKATA 31 OCTOBER 2025

Adani, AIONOS partner for AI-driven flyer support

STATESMAN NEWS SERVICE
Mumbai, 30 October

Adani Airport Holdings Ltd officially announced on Thursday that it has entered into a partnership with AIONOS to provide an artificial intelligence-driven personalised system to provide air passengers at airports with customised multilingual assistance.

"The AI-driven solution will act as a 24x7 intelligent concierge, helping travellers access flight updates, gate information, baggage status, directions and airport services instantly in multiple languages," the company officially announced through a press release. Air passengers will be able to enjoy these services in English, Hindi and other languages, while Adani Airports will be able to communicate with consumers and workers through voice, chat and mobile phones using AIONOS' agentic AI platform. Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) CEO Arun Bansal stated that the new AI system will improve the passenger experience.

"With its in-house services like Aviio, Adani OneApp and Airport-in-a-Box, AAHL has been creating a connected ecosystem which will improve efficiency and inclusivity," Bansal said. Presently, AAHL manages seven airports and will soon begin operations at the Navi Mumbai International Airport. Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) is a 100 per cent subsidiary of Adani Enterprises Ltd, the flagship company of the Adani Group.

AAHL is India's largest airport infrastructure company which operates, manages and develops eight airports, including Ahmedabad, Lucknow, Mangaluru, Jaipur, Guwahati, Thiruvananthapuram, besides also holding significant stakes in the Mumbai International Airport Ltd (73 per cent) and Navi Mumbai International Airport Ltd (74 per cent).

The recent addition to AAHL is its Navi Mumbai International Airport which is a public-private partnership between AAHL and the City and Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO).

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 1 NOVEMBER 2025

New cities, airports in NDA's Bihar vision

Jai Narain Pandey | TNN

Patna: NDA on Friday promised an infrastructure boost in Bihar to bring it on a par with other states through a focus on development, be it new cities — including New Patna and Sitapuram, a greenfield project near Sitamarhi — rapid rail, seven new expressways, or more airports and bringing direct international flights to four airports. A new airport near Patna and one in Bhagalpur are also planned.

The manifesto, jointly released by CM Nitish Kumar, Union minister and BJP national president J P Nadda, JDU national working president Sanjay Kumar Jha, Union ministers Jitan Ram Manjhi and Chirag Paswan, and RLM chief Upendra Kushwaha, contains 25 key points. "We will build world-class medical institutions, complete construction of approved medical colleges in every district, set up modern super-specialty hospitals dedicated to children and autism and a dedicated 'centre of excellence' for identified priority sportspersons in every division," said deputy CM Samrat Chaudhary.

In an outreach to another key constituency, the manifesto has announced assistance of up to Rs 2 lakh under the CM Mahila Rozgar Scheme for women, and vowed to create one crore 'Lakhpati Didis' along with 'Mission Crorepati'.

Apart from the monthly financial assistance of Rs 2,000 to scheduled caste students pursuing higher education, the manifesto pledges financial aid of up to Rs 10 lakh for EBC youths for self-employment.

The emphasis on jobs was a clear focus given the discourse around migration and failure to create employment. But unlike RJD's pitch for one govt job for every family, BJP's emphasis is on skilling and creating the platform for employment.

The Rs 1 lakh crore Developed Bihar Industrial Mission, complete with 10 new industrial parks and a Rs 50 lakh crore investment target, are meant to lay the foundation. There will be emphasis on defence manufacturing, global capability centres, creating an AI hub and a tech and fintech city as the NDA seeks to ensure that there are enough jobs within the state, which also addresses concerns over migration. MSMEs were pitched as the other area of emphasis, again aimed at creating employment while also meeting the requirements of large industries.

NDA manifesto 'blueprint for state's progress': Modi

Times News Network

New Delhi: Prime Minister **Narendra Modi** on Friday described the NDA's election manifesto for Bihar as "a blueprint for the state's progress and aspirations", asserting that it reflected the alliance's resolve to turn Bihar into a developed and self-reliant state. "The NDA's sankalp-patra for the Bihar assembly elections clearly presents our vision for an Atmanirbhar and Viksit Bihar," Modi said.

He added, "It reflects our commitment to improving the lives of farmers, youth, mothers and sisters, and all families of Bihar. The state's double-engine govt has spared no effort for all-round development, and we are determined to accelerate these efforts further to make good governance the foundation of prosperity for every citizen." Modi expressed confidence that "the people of Bihar will wholeheartedly support our efforts." The NDA manifesto promises wide-ranging welfare and infrastructure initiatives.

Home minister Amit Shah echoed the PM, saying NDA under Modi and Nitish Kumar's leadership is "committed to building a developed Bihar". "Today, NDA has released its sankalp-patra to speed up development reaching every section of society. From heritage to high-tech innovation, Bihar is ready for a giant leap," Shah said, adding a dedicated Flood Management Board and the 'Flood to Fortune' initiative would make Bihar flood-free.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 1 NOVEMBER 2025

Noida airport's readiness test done, licence likely in a week

Aditya.Dev@timesofindia.com

Noida: Directorate General of Civil Aviation (DGCA) conducted a crucial calibration test at Noida International Airport in Jewar on Friday, marking a significant step towards the airport's operational readiness.

An Airports Authority of India (AAI) aircraft—VT-FIS—evaluated various systems, including communication, navigation, and surveillance. The air traffic management (ATM) automation system was also tested.

NIAL CEO RK Singh said the calibration report, once reviewed and accepted by DGCA, would pave the way for the airport to obtain its aerodrome licence, essential before the commencement of commercial flight operations. "The successful completion of this phase brings the project significantly closer to operational readiness," he said.

Officials expect the aerodrome licence to be granted within a week and flight operations are expected to start this Dec.

Last week, CM Yogi Adityanath inspected the airport and reviewed the status of work at the domestic terminal, the inauguration venue, security arrangements, traffic management, and projects currently under construction.

Friday's calibration test, postponed from Thursday due to poor visibility, saw a flight from Delhi's IGI Airport reach Noida International Airport around 11.20am. It circled for several hours, assessing the precision and reliability of navigation and communication systems before landing safely.

Shailendra Bhatia, nodal officer of Noida International Airport Limited (NIAL), said, "Calibration flights are a mandatory safety requirement before an airport becomes operational, ensuring that all navigation and communication systems meet DGCA and International Civil Aviation Organisation (ICAO) standards," Bhatia said.

TOI

GETTING READY FOR TAKEOFF

He added that such flights operate at varying altitudes and angles to record data for each system and may continue for several days, depending on weather and technical conditions.

The calibration flight on Friday tested three categories of systems — communication, navigation aids, and surveillance — essential for safe aircraft operations. Calibration of Runway 28 is scheduled next week. After the checks, a detailed calibration report will be submitted to the DGCA for aerodrome licensing.

On Dec 9, 2024, an IndiGo Airbus A320 conducted the airport's first validation flight, testing runway and airside systems and confirming operational readiness.

NIA CEO Christoph Schnellmann told **TOI** on Thursday that Noida airport will begin with a "limited window of daytime operations" in the first few weeks and then gradually ramp up night flights. International flights will begin "in the first half of 2026".

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 31 OCTOBER 2025

Adani Airport ties up with AIONOS for AI Solutions

New Delhi: Adani Airport Holdings (AAHL) has tied up with AIONOS, an InterGlobe Enterprises (IGE) company, to implement a multi-lingual omni-channel agentic AI solution that would enhance conventional help desk experience for passengers. AAHL, asubsidiary of Adani Enterprises, operates airports at seven places — Mumbai, Ahmedabad, Lucknow, Mangaluru, Jaipur, Guwahati & Thiruvananthapuram — with Navi Mumbai to soon join this list. IGE is the holding company of IndiGo. The new solution, AAHL says, "would provide consistent engagement experience across all channels across all Adani Airports (and) connect with passengers to offer personalised, multilingual support.... enabling Adani Airports to engage with customers and employees across multiple touchpoints, including voice, chat, web, and mobile, in their preferred languages." TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 1 NOVEMBER 2025

AI finishes retrofit of A320neo fleet

New Delhi: Air India announced the completion of the retrofitting of all 27 A320neo aircraft in its narrow-body fleet, marking a major milestone in its ongoing fleet modernisation drive. The final aircraft re-entered service this week with brand-new cabin interiors and the airline's vibrant new livery. The airline said that with these refurbished aircraft - along with 14 newly delivered A320neo jets and others being integrated following the Vistara-Air India merger - it now operates 104 A320 family aircraft, all featuring upgraded or new cabin interiors. Launched in September 2024 as part of a broader $400 million initiative to modernise Air India's legacy fleet, the retrofit programme covered all 27 legacy A320neos and was completed within a record one-year timeframe.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 1 NOVEMBER 2025

AI seeks up to ₹10,000 cr from Tata Sons, Singapore Airlines

Janaki Krishnan
Aneesh Phadnis
Mumbai

Loss-making Air India has sought funds from its promoters, Tata Sons and Singapore Airlines, to invest in upgrading its systems and services, sources aware of the matter said. The airline is seeking ₹8,000-10,000 crore, according to the sources who added that the proposal is currently under consideration by shareholders.

Tata Sons did not respond to an email sent seeking clarification on the matter. A Singapore Airlines spokesperson said, "As a significant minority shareholder in Air India, Singapore Airlines (SIA) has been working closely with our partner Tata Sons to support Air India's transformation programme. This includes providing our expertise and support to Air India, where necessary."

In FY25, Tata Sons and SIA infused a little over ₹9,500 crore in the airline, of which the Tata Group's contribution was over ₹4,000 crore.

A similar amount is being requested this year, the sources added.

Report on p12

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 1 NOVEMBER 2025

Air India seeks ₹10,000 cr from Tata Sons, Singapore Airlines

FOR UPGRADES. Rising costs, retrofit push weigh on finances

Janaki Krishnan
Aneesh Phadnis
Mumbai

Loss-making carrier Air India has sought funds from its promoters, Tata Sons and Singapore Airlines, to invest in upgrading its systems and services, sources aware of the matter said.

The airline is seeking ₹8,000-10,000 crore, according to the sources who added that the proposal is currently under consideration by its shareholders.

Tata Sons did not respond to an email sent seeking clarification on the matter.

A Singapore Airlines spokesperson said, "As a significant minority shareholder in Air India, Singapore Airlines (SIA) has been working closely with our partner Tata Sons to support Air India's transformation programme. This includes providing our expertise and support to Air India, where necessary."

REVIVAL FUNDING. In FY25, Tata Sons and SIA infused a little over ₹9,500 crore in the airline, of which the Tata group's contribution was over ₹4,000 crore. A similar amount is being requisitioned this year as well

FRESH CAPITAL

In FY25, Tata Sons as well as SIA had infused a little over ₹9,500 crore in the airline, of which Tata group's contribution was over ₹4,000 crore. A similar amount is being requisitioned this year as well, the sources added.

Air India's latest funding appeal comes amid a challenging operating environment, with the closure of Pakistan's airspace pushing up costs.

The curbs have led to longer routes to the US and Europe and higher fuel burn, resulting in an estimated ₹4,000 crore hit.

KEY HEADWINDS

The Boeing 787 accident at Ahmedabad in June dealt another setback for the airline that embarked on a five-year transformation programme in 2022.

While the airline has cut back its capacity post the crash, the seat retrofit programme has gathered steam after a long delay.

Air India posted a consolidated net loss of ₹10,859 crore in FY25, according to the Tata Sons annual report. It registered a revenue of ₹78,636 crore in the same period.

REFURBISHED PLANES

Air India on Friday announced the completion of the retrofit programme for its legacy A320neo fleet, with the final of 27 aircraft returning to service with brand-new cabin interiors and the airline's refreshed livery.

With these, combined with 14 newly delivered A320neo aircraft and those integrated following the merger of Vistara into Air India, the airline now operates 104 A320 Family aircraft, featuring new or upgraded cabin interiors.

Commenced in September 2024 as part of a broader $400 million initiative to modernise Air India's entire legacy fleet, the retrofit programme for all 27 legacy A320neo aircraft has been completed within a record one-year time frame.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 1 NOVEMBER 2025

शंघाई-दिल्ली मार्ग पर उड़ानों की संख्या बढ़ाएंगी चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस अगले साल 02 जनवरी से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाकर सप्ताह में पांच करेगी। एयरलाइंस ने इससे पहले 09 नवंबर 2025 से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में तीन उड़ानों की घोषणा की थी जिसके लिए बुकिंग शुरू हो गई है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भविष्य में उसकी योजना चीन के कुनमिंग से कोलकाता और शंघाई पुडॉन्ग से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू करने की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के समय साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हुआ है। चीन की विमान सेवा कंपनियों में चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस कोविड के बाद भारत के लिए सेवा शुरू करने वाली पहली कंपनी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 1 NOVEMBER 2025

डीजीसीए के विरुद्ध अवमानना अर्जी दायर करेगा पायलटों का संगठन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय पायलट महासंघ (एफआइपी) ने शुक्रवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा इस साल की शुरुआत में स्वीकृत नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा मानदंडों को पूरी तरह से लागू नहीं करने के लिए विमानन नियामक डीजीसीए के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करेगा।

एफआइपी यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है, जब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में कुछ छूट दी है। इसमें दो पायलट वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर परिचालन के लिए रात में ज्यादा लैंडिंग और ड्यूटी समय विस्तार की अनुमति देना शामिल है। शुक्रवार को एक बयान में एफआइपी के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने कहा कि महासंघ नए एफडीटीएल मानदंडों को पूरी तरह से लागू नहीं करने के लिए डीजीसीए के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करेगा। डीजीसीए ने एअर इंडिया सहित कई एयरलाइनों को छूट देना शुरू कर दिया है।

समय विस्तार पर डीजीसीए की सफाई

आइएएनएस के अनुसार, डीजीसीए ने शुक्रवार को बताया कि एअर इंडिया को यूरोपीय मार्गों पर उड़ान भरने वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों के उड़ान समय में अस्थायी विस्तार दिया गया है। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण ये मार्ग लंबे हो गए हैं। यह विस्तार परिचालन कारणों से दिया गया है। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद यूरोपीय मार्गों पर विमानों को लंबी उड़ान भरनी पड़ रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 31 OCTOBER 2025

विमान के वर्टिकल टेक-आफ व लैंडिंग की दिशा में बढ़त

- हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर से हासिल की गई 'साफ्ट लैंडिंग' के लिए आवश्यक गति
- दुर्गम इलाकों से अंतरिक्ष व सैन्य अभियानों में वर्टिकल लैंडिंग व टेक-आफ होगी आसान
- अमेरिकी एफ-35बी और वी-22 ओस्प्रो विमानों में इस्तेमाल होती है वीटीओएल तकनीक

चेन्नई, आइएएनएस: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने स्वदेशी तकनीक से विमानों और ड्रोन को हेलीकाप्टर की तरह सीधे टेक-आफ और लैंडिंग (वीटीओएल) की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने स्वदेशी हाइब्रिड राकेट थ्रस्ट तकनीक का इस्तेमाल किया। आइआइटी की ये उपलब्धि इंटरनेशनल जर्नल आफ एरोनाटिकल एंड स्पेस साइंसेज में प्रकाशित हुई है।

इस उपलब्धि से दुर्गम और सीमांत इलाकों में विमान सेवाएं आगे बढ़ाई जा सकेंगी, जहां लंबे रनवे या बड़े हवाई अड्डे बनाना कठिन होता है। विमान हेलीकाप्टर से तेज और हवाई जहाजों से सस्ती सेवाएं दे सकेंगे। इसके अलावा चंद्रयान और मंगल मिशन जैसे अंतरिक्ष अभियानों में भी ये मददगार साबित होंगे, जहां लैंडिंग प्रक्रिया बेहद नाजुक होती है। इससे आपदा राहत और दुर्गम इलाकों में आपूर्तितंत्र विकसित करने में भी मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे भारत नेक्स्ट जेनरेशन एरियल सिस्टम की दिशा में आत्मनिर्भर भी बन सकेगा।

ऐसे किया गया प्रयोग

हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर को वर्चुअल सिमुलेशन से जोड़ा गया और इससे साफ्ट लैंडिंग के लिए जरूरी वेलासिटी हासिल की गई। एक मीटर प्रति सेंकेड से भी कम रफ्तार से विमान ने लैंडिंग की। अमेरिका के एफ-35बी और वी-22 ओस्प्रे विमानों में इस वीटीओएल तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इस शोध का एक अहम पहलू यह है कि टीम ने एक विशेष हाइब्रिड राकेट ईंधन विकसित किया है जिसे आक्सीडाइज़र के रूप में केवल कंप्रेस्ड हवा की जरूरत होती है। इससे ऐसी प्रणालियों को हवाई वाहनों में जोड़ना आसान हो जाता है, खासकर उन स्थितियों में जहां कंप्रेस्ड एयर आसानी से उपलब्ध है।

गेमचेंजर साबित हो सकती है तकनीक

फिलहाल उपयोग में आने वाले वीटीओएल सिस्टम जटिल और उच्च रखरखाव वाले होते हैं। इसलिए आइआइटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने हाइब्रिड राकेट थ्रस्टर से संचालित एक प्लेटफार्म की अवधारणा प्रस्तुत की, जो विमानों और यूएवी के लिए एक प्रभावी प्रोपल्जन यूनिट के रूप में काम कर सके। आइआइटी मद्रास के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर पी.ए. रामकृष्ण ने बताया कि टीओएल तकनीक विमान को बिना रनवे के सीधा ऊपर उठने और नीचे उतरने की क्षमता प्रदान करती है। इससे दुर्गम और सीमांत इलाकों में भी हवाई पहुंच संभव हो सकेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 31 OCTOBER 2025

एयर यात्रियों को मिलेगा एआई से और भी सहज अनुभव

अडाणी एयरपोर्ट्स और आयनोस की साझेदारी

नवज्योति,जयपुर। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की इकाई आयनोस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत अडाणी एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को अब एआई आधारित स्मार्ट और व्यक्तिगत सहायता का अनुभव मिलेगा। आयनोस अपने इंटेलीमेटन्स एजेंटिक एआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से यात्रियों को वॉयस, चैट, वेबसाइट और मोबाइल पर बहुभाषी 24 घंटे स्मार्ट असिस्टेंट सुविधा उपलब्ध कराएगा। यह प्रणाली यात्रियों को फ्लाइट अपडेट, गेट जानकारी, बैगेज स्थिति और एयरपोर्ट सेवाओं से जुड़ी जानकारी प्रदान करेगी। सेवा अंग्रेजी, हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। यह एआई प्लेटफॉर्म सभी डिजिटल चैनलों को एकीकृत कर यात्रियों को एक समान और सहज अनुभव देगा, जिससे उनकी संतुष्टि और सुविधा दोनों बढ़ेंगी। अडाणी एयरपोर्ट्स के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि हम यात्रियों की यात्रा को उत्साहपूर्ण और निर्बाध बनाना चाहते हैं। आयनोस के साथ यह सहयोग हमारी डिजिटल-फर्स्ट रणनीति का अहम हिस्सा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 1 NOVEMBER 2025

PROFITABILITY PUSH HIT BY MUTILPLE SETBACKS

Air India seeks ₹10K cr from owners for system upgrade

MIHIR MISHRA & P R SANJAI
October 31

UNPROFITABLE AIR INDIA is seeking at least ₹10,000 crore ($1.1 billion) in financial support from its owners Tata Sons and Singapore Airlines, said people familiar with the matter, as the airline grapples with the aftermath of a deadly plane crash among other challenges.

The request includes funds for overhauling Air India's systems and services as well as developing in-house engineering and maintenance departments, some of the people said, requesting not to be identified as the information is not public.

The ailing carrier is far from a goal of breaking even operationally by end of March next year after facing multiple setbacks. The appeal for more funding underscores the challenges of operating in the India's aviation market where many carriers have exited after burning cash.

Sector leader Interglobe Aviation, which operates the IndiGo fleet, is the only profitable domestic carrier with over 64% market share.

Air India is 74.9% owned by the Tata Group, with the rest held by SIA. Any financial support would be proportional to ownership, the people said, adding that the owners would decide if the funding will be an interest-free loan or via equity.

Spokespersons for Tata Sons and Air India did not respond to emailed queries seeking comments on the financial support sought by the carrier.

SIA "has been working closely with" Tata Sons to help with Air India's transformation programme, the carrier said in an email Friday.

"This includes providing our expertise and support to Air India, where necessary," it added but directed all queries on financial requirements to Air India.

Continued on Page 7

AIR POCKET

- The funds will be used for overhauling Air India's systems and services as well as developing in-house engineering and maintenance departments
- The ailing carrier is far from a goal of breaking even operationally by end of March next year

- Air India is **74.9%** owned by the Tata Group, with the rest held by Singapore Airlines (SIA)
- Interglobe Aviation, which operates the IndiGo fleet, is the only profitable domestic carrier with over 64% market share

AI seeks ₹10,000 cr...

SIA'S SHARES SLIPPED as much as 0.8% on Friday in Singapore. Air India's pursuit of profitability was already tottering in June as it had to fly longer hours for its non-stop west-bound flights from India after an armed border conflict in May with Pakistan led to airspace curbs.

The financial math worsened after one of its Boeing 787 Dreamliner headed for London crashed immediately after take off from Ahmedabad on June 12, killing all but one on board. Safety concerns following the tragedy led to a system-wide audit by India's aviation regulator. Air India also slashed international flights on widebody jets by 15% starting June through August, which curbed revenue as well.

SIA is closely involved in key functions such as engineering, operations and airport services at the airline after the Ahmedabad crash, the people said. AI Engineering Services - a government-owned entity and formerly a subsidiary of Air India - does maintenance work for the airline. The financial support will help Air India scale up its own engineering and maintenance capabilities by building hangars at key airports in the country, the people said.

Airport services at six key airports are done through Air India-Singapore Airport Terminal Services—an equal JV between Air India and SATS, the people said. — BLOOMBERG

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 1 NOVEMBER 2025

ए320 विमान आधुनिक सुविधाओं से लैस हुए

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने सभी 27 पुराने ए320 नियो विमानों को नई सुविधाओं के साथ उन्नत बना दिया है। टाटा समूह की एयरलाइन ने बताया कि पुराने विमानों को नई सुविधाओं से लैस करने का सितंबर, 2024 में शुरू हुआ रेट्रोफिट कार्यक्रम पूरा हो गया है। इन विमानों में नए केबिन इंटीरियर जोड़े गए हैं। इनमें तीन श्रेणियों- बिजनेस, प्रीमियम इकॉनमी और इकॉनमी को शामिल किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 1 NOVEMBER 2025

सिंगापुर एयरलाइंस ने मदद की पेशकश की

नई दिल्ली। सिंगापुर एयरलाइंस ने शुक्रवार को कहा कि एक महत्वपूर्ण अल्पांश शेयरधारक होने के नाते वह एयर इंडिया को जरूरत के हिसाब से अपनी विशेषज्ञता और मदद मुहैया कराएगी। यह टिप्पणी उन रिपोर्ट के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि एयर इंडिया ने टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की मांग रखी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 1 NOVEMBER 2025

Shanghai-Delhi flights of China Eastern increased

Shanghai-based China Eastern Airlines, which will restart Shanghai- Delhi flights from November 9, said it will raise its frequency from thrice weekly to five times a week from January 2. After the MEA said earlier this month that China and India had decided to resume air services after five years, the airline announced thrice weekly flights. The flights will be operated by Airbus A330-200 wide-body aircraft offering 17 lie-flat business and 245 economy-class seats.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 1 NOVEMBER 2025

AI said to tap Tata Sons, Singapore Airlines for up to ₹10,000 crore

Janaki Krishnan
Aneesh Phadnis
MUMBAI

Loss-making carrier Air India (AI) has sought funds from its promoters, Tata Sons and Singapore Airlines (SIA), to invest in upgrading systems and services, sources said.

The airline is seeking ₹8,000-10,000 crore, according to the sources who added the proposal is currently under the consideration of its shareholders.

Tata Sons did not respond to an email seeking clarification on the matter.

A SIA spokesperson said, "As a significant minority shareholder in Air India, Singapore Airlines (SIA) has been working closely with our partner Tata Sons to support Air India's transformation programme. This includes providing our expertise and support to Air India, where necessary."

Rough weather: Air India's latest funding appeal comes amid a challenging operating environment. REUTERS

In FY25, Tata Sons as well as SIA had infused a little over ₹9,500 crore in the airline, of which Tata group's contribution had been over ₹4,000 crore. A similar amount is being requisitioned this year as well, the sources added.

AI's latest funding appeal comes amid a challenging operating environment, with the closure of Pakistan's airspace pushing up costs. The curbs led to longer routes to the U.S. and Europe and higher fuel burn, resulting in an estimated ₹4,000-crore hit. The Boeing 787 accident at Ahmedabad in June dealt another setback.

(The writers are with The Hindu businessline)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 1 NOVEMBER 2025

Hindustan Times

DGCA permits airlines to levy wheelchair fee for able-bodied

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has revised norms for wheelchair services, permitting airlines to levy a fee for wheelchair assistance availed by able-bodied people at airports.

According to the new rules, notified on October 29, airlines "may levy appropriate assistance fees from passengers other than persons with disability (Divyangjan) and persons with reduced mobility who opt to use these services", the regulator said.

Until now, wheelchair assistance was typically provided without charge. The change brings India's norms closer to global practices, allowing airlines to recover costs for non-mandatory services while continuing to provide full support to passengers with certified disabilities.

OFFICIALS SAID THE REVISION FOLLOWED CONSULTATIONS WITH DISABILITY RIGHTS GROUPS, AIRLINES, AIRPORT OPERATORS

Aimed at making air travel more inclusive and accountable for passengers with disabilities and those with reduced mobility, the new rules have also laid down clearer obligations for airlines and airport operators on accessibility, assistance, and staff training.

According to the amended Civil Aviation Requirement (CAR), airlines must provide designated, no-cost accessible seats with extra legroom to passengers with disabilities, which must remain blocked until close to the time of departure.

The rules state that airlines must ensure that passengers with disabilities receive assistance from the time they enter the terminal until they exit the destination airport. They are also required to allow passengers to use personal wheelchairs up to the aircraft door wherever possible, and to handle assistive devices such as wheelchairs and prosthetics with utmost care. Any damage or loss will attract compensation equivalent to the cost of repair or replacement, it added.

Officials said the revision followed consultations with disability rights groups, airlines, airport operators.

HT had first reported in April that the government was planning to revise accessibility guidelines at airports amid complaints from air travellers of wheelchair shortages and of shoddy equipment.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 1 NOVEMBER 2025

विचार

पुरानी चीजों को अपग्रेड करेगी एयरलाइन, अहमदाबाद क्रैश के बाद स्थिति

एअर इंडिया ने मांगी 10 हजार करोड़ की मदद

मुंबई, लोकसत्य। एअर इंडिया ने अपने ओनर्स टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 1.14 बिलियन डॉलर यानी, करीब 10 हजार करोड़ रुपए का फाइनेंशियल सपोर्ट मांगा है। यह रिक्वेस्ट जून में अहमदाबाद में हुए क्रैश के बाद आई है, जिसमें 241 पैसेंजर्स समेत कुल 261 लोगों की मौत हो गई थी।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी सिस्टम्स और सर्विसेज को ओवरहॉल करने के लिए ये फंड्स चाहती है। यानी, पुरानी चीजों को पूरी तरह जांचना, सुधारना और अपग्रेड करना। टाटा संस का 74.9% स्टेक है। सिंगापुर एयरलाइंस बाकी का हिस्सा रखती है।

ओनर्स फैसला करेंगे कि यह इंटरेस्ट-फ्री लोन होगा या इक्विटी। फाइनेंशियल मदद टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइन्स की हिस्सेदारी के हिसाब से होगी। वहीं क्रैश के बाद कंपनी इंटरनल प्रैक्टिसेस सुधारने पर

फोकस कर रही है। CEO ने इस हफ्ते वादा किया कि चीजें बेहतर होंगी।

● घाटा खत्म करने के लक्ष्य से काफी दूर है एयरलाइन

एअर इंडिया मार्च के अंत तक अपना घाटा खत्म करने के लक्ष्य से काफी दूर है। फाइनेंशियल सपोर्ट की यह मांग एविएशन सेक्टर की मुश्किलों को दिखाती है, जहां कई एयरलाइंस फंडिंग की कमी के कारण बाहर हो गईं। सेक्टर लीडर इंडिगो, मुनाफे वाली इकलौती एयरलाइन है।

● जून से ही खराब हो रही थी एयरलाइन की स्थिति

मई में पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद एयरस्पेस पर पाबंदी लगा दी गई थी। इस कारण भारत से वेस्ट-बाउंड नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स को ज्यादा लंबा रूट लेना पड़ा। इसका असर एअर इंडिया के मुनाफे पर भी पड़ा है। जून 12 को हुए क्रैश के बाद हालात और बिगड़ गए।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के इस क्रैश के बाद सेफ्टी चिंताओं से भारत के एविएशन रेगुलेटर ने पूरे सिस्टम का ऑडिट किया। ऐसे में एयर इंडिया को अपनी करीब 15% इंटरनेशनल फ्लाइट्स को कम करना पड़ा। इसका भी असर एयरलाइन की कमाई पर हुआ।

● एयरलाइन को रिवाइव करने की कोशिश कर रही टाटा

सरकारी कंपनी एअर इंडिया 27 जनवरी 2022 से प्राइवेट हो गई थी। टाटा संस ने एअर इंडिया का टेकओवर किया था। इसके बाद ये देश की दूसरी बड़ी एयरलाइन बन गई। 2022 के एक्विजिशन के बाद से टाटा अपनी एयरलाइन को रिवाइव करने की कोशिश हो रही है।

इसके तहत कंपनी ने एअर इंडिया का लोगो और लिवरी को बदल दिया है। अब एअर इंडिया के प्लेन नए मेकओवर के साथ उड़ान भरते हैं। एअर इंडिया अपने इस नए मेकओवर के साथ अमीरात और कतर एयरवेज जैसे कैरियर्स को टक्कर देना चाहता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 1 NOVEMBER 2025

Air India seeks $1.1 bn lifeline from Tatas, SIA

Reuters
feedback@livemint.com

Air India is seeking at least ₹100 billion ($1.14 billion) in financial support from owners Singapore Airlines and Tata Sons, *Bloomberg News* reported on Thursday, citing people familiar with the matter.

The development follows a deadly Air India crash in June that killed more than 240 passengers, plunging the carrier into its worst crisis and complicating its push to restore its reputation and modernize its fleet. The Tata Group-owned carrier is requesting funds to overhaul Air India's systems and services as well as developing in-house engineering and maintenance departments, the report said.

Any financial support would be proportional to ownership, *Bloomberg* said, adding that the owners would decide if the funding will be an interest-free loan or via equity.

Tata Group, which bought Air India in 2022, has a 74.9% stake in the airline, with Singapore Airlines holding the rest.

Singapore Airlines has been working closely with their partner Tata Sons to support Air India's transformation programme, including providing expertise and support to the airline, a spokesperson for Singapore Airlines said in an email response to *Reuters*.

Reuters could not verify the report. Air India and Tata Sons did not immediately respond to requests for comment.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 1 NOVEMBER 2025

Norms amended for wheelchair services for able-bodied persons at airports

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi

Airlines can now charge for wheelchair services availed by able-bodied people at airports, with aviation regulator DGCA revising the norms.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has amended the Civil Aviation Requirement (CAR) pertaining to Carriage by Air - Persons with Disability (Divyangjan) and/or Persons with Reduced Mobility'.

"Airline may levy appropriate assistance fee from passengers other than persons with disability (Divyangjan) and persons with reduced mobility who opt to use these services. The same shall be displayed on the airline's website," the DGCA said.

The regulator had last month issued the draft civil aviation requirement on the use of wheelchairs at the airports, seeking comments from the public by September 19, following multiple complaints against both airlines and airport operators over wheelchair bookings.

According to the revised norms, to facilitate the timely provision of necessary assistance, passengers who have requested such support will report to the airport sufficiently in advance of their scheduled departure time.

Considering airport-specific constraints such as terminal layout, security procedures, and resource availability, airlines may prescribe a minimum reporting time to facilitate seamless assistance, as per the revised CAR. Although the basic responsibility for providing wheelchairs is that of the airline operator as such requests are captured through the airline's booking and reservation systems. Further, airport operator shall provide extra wheelchairs wherever required for the convenience of their passengers, it said, adding that airlines should allow carriage of assistive devices free of charge on aircraft.

Also, as per the revised CAR, airlines may levy an appropriate assistance fee on passengers other than persons with disability (Divyangjan) and persons with reduced mobility who opt to use it, and it will be displayed on the airline's website.

Airport building operator will display signage throughout the airport, including terminal areas, in a clear and unambiguous manner as per international standards. Airports to display a signage board for a reserved drop-off point for persons with proper visibility or reduced mobility before entering the airport, with proper visibility for taxis.

Further, airports are to ensure that reserved drop-off points remain vacant for persons with disability (Divyangjan) or reduced mobility, the DGCA said.